

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा- पंचम्

तिथि- 09.08.2021

विषय- संस्कृत

सुमिता कुमारी

सुप्रभात बच्चों,

आज आप सब 'अव्यय' के बारे में समझेंगे।

संस्कृत

पाठ-8 अव्ययाः

लिंग, विभक्ति, वचन, लकार या पुरुष के कारण जिन शब्दों में किसी तरह का कोई परिवर्तन न हो, वे अव्यय कहलाते हैं ।

जैसे -सः बालकः न अस्ति ।

_____(वह लड़का नहीं है ।)

सा कन्या न अस्ति।

(वह लड़की नहीं है।)

ते बालकाः न सन्ति।

(वे सब लड़कें नहीं हैं।)

तत् फलम् न अस्ति।

(वह फल नहीं है।)

सभी वाक्यों में 'न' का रूप समान है अतः यह अवयव शब्द है। अव्यय शब्दों को स्थानबोधक , कालबोधक एवं प्रश्नबोधक तीन भागों में बाँटा जाता है ।

अव्यय शब्दों के उदाहरण -



सः बालकः न अस्ति।

अत्र वृक्षः अस्ति।

रामः श्यामः च वदतः।

आम् सा बालिका अस्ति।

अभ्यास

1. विकल्पेभ्यः उचितम् पदं चित्वा रिक्तस्थानानि पूर्यत-
(विकल्पों से उचित शब्द चुनकर रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए)

- (i) जो शब्द लिंग, विभक्ति या वचन के कारण बदलते नहीं हैं, उन्हें कहते हैं।
 (क) स्वर (ख) अव्यय (ग) व्यंजन
- (ii) 'च' अव्यय का प्रयोग संस्कृत में दो शब्दों के किया जाता है।
 (क) बाद (ख) पहले (ग) बीच में
- (iii) शब्द अव्यय है।
 (क) बालकः (ख) तदा (ग) छात्रा
- (iv) 'अधुना' अव्यय शब्द का अर्थ है।
 (क) अब (ख) तब (ग) जब

2.निम्नलिखितशब्दान् हिंदी भाषायाम् लिखत-
(निम्नलिखित शब्दों को हिंदी भाषा में लिखिए)

- | | | | |
|----------|-------|---------------|-------|
| (i) कदा | | (iv) शनैःशनैः | |
| (ii) आम् | | (v) तत्र | |
| (iii) एव | | (vi) अत्र | |